अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 62 | श्री विजय पुरम, बुधवार , 04 मार्च 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

डी.के. जोशी ने अण्डमान बेसिन में 'गुयाना जैसी' संभावनाओं का किया उल्लेख

द्वीपसमूह भारत की एकमात्र समेकित त्रि–सेवा थिएटर कमान–अण्डमान तथा निकोबार कमान–की मेज़बानी करता है, जिससे पूर्वी हिंद महासागर क्षेत्र में इसकी सामरिक एवं परिचालनिक महत्ता सुदृढ़ होती है तथा मलाका स्ट्रेट के निकट प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों के समीप इसकी सामरिक स्थिति और भी महत्वपूर्ण हो जाती है

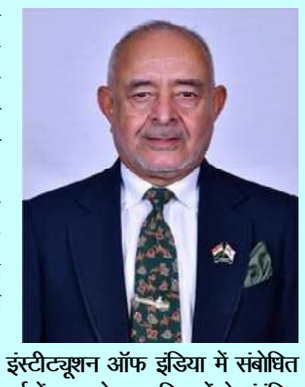

अण्डमान बेसिन के लगभग चार लाख वर्ग किलोमीटर अपतटीय क्षेत्र, जिसे लंबे समय से "नो–गो ज़ोन" घोषित किया गया था, अब तेल एवं गैस अन्वेषण के लिए खोल दिया गया है। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के उप राज्यपाल एडमिरल (अ.प्रा.) डी. के. जोशी ने इसे "गुयाना जैसी संभावनाओं वाला" क्षेत्र बताया है।

दिल्ली स्थित यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया में संबोधित करते हुए उप राज्यपाल ने कहा कि पूर्व में रक्षा प्रक्षेपण गलियारों से संबंधित प्रतिबंधों के कारण इस क्षेत्र में दशकों तक अपतटीय ड्रिलिंग कार्य ठप रहा। उन्होंने कहा, "लगभग चार लाख वर्ग किलोमीटर नो–गो ज़ोन क्षेत्र को मुक्त कर दिया गया है और तेल की खोज प्रारंभ हो चुकी है।"

भारत वर्तमान में अपनी कच्चे तेल की अधिकांश आवश्यकता आयात से पूरी करता है। ऐसे में अण्डमान जैसे सीमांत बेसिन में वाणिज्यिक रूप से सफल खोज देश की ऊर्जा सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता पर प्रत्यक्ष प्रभाव डाल सकती है।

उप राज्यपाल ने बताया कि ऑयल इंडिया ने दिसंबर, 2025 में श्री विजय पुरम–2 कुएँ में "महत्वपूर्ण प्राकृतिक गैस भंडार" की खोज की, जिसमें 87 प्रतिशत मीथेन गैस पाई गई। वहीं 27 जनवरी को ओएनजीसी ने अण्डमान वेस्ट–1 कुएँ की ड्रिलिंग प्रारंभ की, जहाँ कच्चे तेल एवं कंडेनसेट की उपस्थिति दर्ज़ की गई। इससे क्षेत्र में सक्रिय थर्मोजेनिक पेट्रोलियम प्रणाली की उपस्थिति पहली बार प्रमाणित हुई है।

उन्होंने कहा कि यह बेसिन "परिवर्तनकारी खोजों" की क्षमता रखता है और इसमें "गुयाना जैसी संभावनाएँ" हैं, जहाँ पिछले एक दशक में बड़े अपतटीय तेल भंडार मिलने से अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ।

वर्तमान ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी दौर के अंतर्गत भारत के इतिहास का सबसे बड़ा क्षेत्र अन्वेषण हेतु प्रस्तावित किया गया है, जिसका केंद्र अण्डमान बेसिन है। उप राज्यपाल ने बताया कि एक्सॉनमोबिल, शेल, शेवरॉन, टोटल एनर्जी और बीपी जैसी वैश्विक कंपनियाँ ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के साथ संयुक्त उपक्रमों के लिए उन्नत स्तर की वार्ता में हैं, जिससे पूंजी निवेश और गहरे समुद्र में अन्वेषण की उन्नत तकनीक उपलब्ध होगी।

सामरिक महत्व और पर्यटन विकास

उप राज्यपाल ने द्वीपसमूह के सामरिक महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह देश के कुल विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईज़ेड) का लगभग एक–तिहाई तथा तटरेखा का एक–चौथाई से अधिक भाग प्रदान करता है।

द्वीपसमूह भारत की एकमात्र समेकित त्रि–सेवा थिएटर कमान–अण्डमान तथा निकोबार कमान–की मेज़बानी करता है, जो पूर्वी हिंद महासागर में अपनी सामरिक महत्ता तथा मलाका स्ट्रेट के निकट प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों के समीप स्थित होने के कारण विशेष परिचालन महत्व रखता है।

उन्होंने कहा कि भारत का दक्षिणतम बिंदु कन्याकुमारी नहीं, बल्कि भूमध्य रेखा से लगभग छह डिग्री उत्तर में स्थित ग्रेट निकोबार है। लगभग 836 द्वीपों में फैला यह क्षेत्र करीब 750 किलोमीटर में विस्तृत है और जनसंख्या के संदर्भ में ही "छोटा" कहा जा सकता है।

द्वीपसमूह भारत की एकमात्र समेकित त्रि–सेवा थिएटर कमान–अण्डमान तथा निकोबार कमान–की मेज़बानी करता है, जिससे पूर्वी हिंद महासागर में इसकी परिचालनिक प्रासंगिकता और मलाका स्ट्रेट के निकट प्रमुख समुद्री मार्गों पर इसकी सामरिक स्थिति सुदृढ़ होती है।

उप राज्यपाल ने द्वीप विकास एजेंसी की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि सतही संपर्क, विमानन अवसंरचना, डिजिटल नेटवर्क और समुद्री क्षमताओं को सुदृढ़ करने हेतु बड़े पैमाने पर परियोजनाएँ प्रगति पर हैं।

पर्यटन के क्षेत्र में उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 तक द्वीपसमूह में एक भी पांच सितारा होटल नहीं था, जबकि अब ताज पूर्ण रूप से संचालित हो रहा है। हाल ही में चार नए आतिथ्य अनुबंध प्रदान किए गए हैं, जिनमें दो रेडिसन समूह और दो थाईलैंड स्थित लक्ज़री श्रृंखला अनंतारा को दिए गए हैं।

सभी परियोजनाएँ सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के अंतर्गत संचालित की जा रही हैं, जिसमें सरकार दीर्घकालिक लीज़ पर भूमि उपलब्ध कराती है और निजी निवेशक डिज़ाइन, वित्त, निर्माण, संचालन और हस्तांतरण ढांचे के तहत निवेश करते हैं। निविदा का मानदंड राजस्व साझेदारी एवं वार्षिक लीज़ भुगतान है, जो प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ निर्धारित है।

उप राज्यपाल ने बताया कि आगामी एक वर्ष में 15 और आतिथ्य परियोजनाएँ प्रदान की जाएँगी।

स्वराज द्वीप स्थित राधानगर तट को वर्ष 2019 से ब्लू फ्लैग प्रमाणन प्राप्त है तथा 10 अन्य समुद्र तटों के लिए भी निरीक्षण पूर्ण हो चुका है। क्रूज़ पर्यटन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है और दिसंबर में 'वेसल लुमिनारा' ने द्वीपसमूह का दौरा किया।

(स्रोतः **https://www.moneycontrol.com/**)

चाथम कॉज़वे पुल की मरम्मत हेतु निविदा प्रदान

श्री विजय पुरम, 3 मार्च

अण्डमान लोक निर्माण विभाग (एपीडब्ल्यूडी) द्वारा 4 फरवरी, 2026 को चाथम कॉज़वे पुल की मरम्मत कार्य हेतु निविदा प्रदान कर दी गई है। यह पुल श्री विजय पुरम को चाथम द्वीप से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण जीवनरेखा है तथा स्थानीय निवासियों एवं अन्य हितधारकों के लिए सुगम यातायात सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाता है। निविदा प्रदान किए जाने के पश्चात कार्य निष्पादक एजेंसी द्वारा प्रारंभिक व्यवस्थाएं शुरू कर दी गई हैं, जिनमें कार्य शेड की स्थापना एवं मुख्यभूमि से आवश्यक सामग्री की आपूर्ति शामिल है। मरम्मत कार्य का भौतिक निष्पादन मार्च, 2026 के मध्य तक प्रारंभ होने की संभावना है।

यह परियोजना मेसर्स संरचना स्ट्रक्चरल स्ट्रेंथनिंग प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र को सौंपी गई है, जो विशेष पुल मरम्मत कार्यों में अनुभवी एजेंसी है। परियोजना की निर्धारित पूर्णता अवधि छह माह है। विभाग द्वारा प्रगति की निरंतर निगरानी की जा रही है, ताकि कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर या उससे पूर्व पूर्ण किया जा सके। पुल पर आवाजाही में प्रतिबंध के कारण स्थानीय समुदाय को हो रही कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन का यह प्रयास यात्रा संबंधी समस्याओं को शीघ्र दूर कर श्री विजय पुरम एवं चाथम द्वीप के बीच निर्बाध संपर्क बहाल करना है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार एपीडब्ल्यूडी ने अधोसंरचना को सुदृढ़ करने तथा आमजन की सुरक्षा, सुविधा और कल्याण सुनिश्चित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

भुवनेश्वर में आयोजित इंडियास्किल्स क्षेत्रीय प्रतियोगिता में टीम अण्डमान ने जीते 13 पदक

अब राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंच पर निगाहें

श्री विजय पुरम, 3 मार्च

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के युवाओं ने एक बार फिर तकनीकी उत्कृष्टता एवं व्यावसायिक दक्षता में अपनी बढ़ती क्षमता का परिचय देते हुए भुवनेश्वर में 27 फरवरी, 2026 से आयोजित इंडियास्किल्स क्षेत्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पूर्वी भारत के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभाशाली प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए टीम अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने ऑनसाइट एवं ऑफसाइट कौशल प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय तकनीकी दक्षता, सृजनात्मकता, अनुशासन एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रदर्शन किया। विभिन्न व्यवसायों में कुल 48 प्रतिभागियों की टीम ने पूर्ण समर्पण, पेशेवर आत्मविश्वास एवं आदर्श टीमवर्क के साथ भाग लिया। दल का नेतृत्व आईटीआई के प्रधानाचार्य एवं उप प्रशिक्षु सलाहकार श्री वेंकटेश सीएच ने किया। उनके साथ आईटीआई, डॉलीगंज, श्री विजय पुरम के व्यावसायिक प्रशिक्षक श्री प्रभु राज तथा प्रशिक्षक श्रीमती अनीशा अहमद भी दल के मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित रहे। रणनीतिक मार्गदर्शन एवं आईटीआई की सुव्यवस्थित प्रशिक्षण प्रणाली के परिणामस्वरूप टीम ने कुल 13 पदक अर्जित किए, जो द्वीपसमूह में कौशल विकास एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण की मजबूत नींव को दर्शाता है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार टीम ने 4 स्वर्ण पदक, 5 रजत पदक तथा 4 उत्कृष्टता पदक (मेडलियन ऑफ एक्सीलेंस) प्राप्त किए। यह क्षेत्रीय कौशल प्रतियोगिता के स्तर पर द्वीपसमूह के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक है और इससे अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह देश के पूर्वी क्षेत्र में कौशल उत्कृष्टता के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है।

पदक तालिका–इंडियास्किल्स क्षेत्रीय (पूर्व) 2025–26	
पदक श्रेणी	पदकों की संख्या
स्वर्ण	4
रजत	5
उत्कृष्टता पदक (मेडलियन ऑफ एक्सीलेंस)	4
कुल	13

शेष पृष्ठ 4 पर

शुभकामनाएँ

'होली' के शुभ अवसर पर, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी द्वीपवासियों को मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

रंगों का जीवंत त्योहार होली, प्रेम, सद्भाव और एकता के उन चिरस्थायी मूल्यों का प्रतीक है जो हमारे राष्ट्र को सुदृढ़ बनाते हैं। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और समाज के सभी वर्गों के लोगों के बीच एकता के बंधन को सुदृढ़ करता है। होली के रंग हमारी विविध संस्कृति की समृद्धि को उजागर करते हुये हमें समाज में सद्भाव, करुणा और आपसी सम्मान को बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस पावन अवसर पर, आइए हम सब मिलकर शांति, भाईचारा और सद्भाव के संदेश को जन–जन तक पहुँचाएँ। यह उत्सव सभी द्वीपवासियों के जीवन में सुख–समृद्धि लाए और हमारा द्वीप विकास और समृद्धि के पथ पर निरंतर अग्रसर रहें।

पुनः आप सभी को होली की शुभकामनाएँ।

(एडमिरल डी.के. जोशी)
पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी

होली की शुभकामनाएँ

होली के पावन एवं आनंदमय अवसर पर मैं समस्त द्वीपवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

रंगों का यह उत्सव एकता, सद्भाव और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। यह आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करने, प्रेम एवं खुशियाँ बाँटने तथा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का सामूहिक रूप से उत्सव मनाने का अवसर है।

ईश्वर करे कि यह उल्लासपूर्ण पर्व हमारे सुंदर द्वीपों के प्रत्येक घर में शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और नई आशा का संचार करे। आइए, हम सभी मिलकर इस पर्व को सुरक्षित एवं ज़िम्मेदारीपूर्वक मनाएँ और उस एकजुटता की भावना को बनाए रखें, जो हमारे द्वीपों को वास्तव में विशेष बनाती है।

आप सभी को परिवार सहित होली की हार्दिक एवं रंगारंग शुभकामनाएँ।

बिष्णु पद राय
सांसद
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

नगर प्रमुख ने दी होली की शुभकामनाएँ

श्री विजय पुरम, 3 मार्च।

श्री शाहुल हमीद, अध्यक्ष, श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद द्वारा परिषद के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों की ओर से समस्त द्वीपवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गई हैं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि द्वीपवासियों का यह दिन रंगों, उल्लास और प्रेम से परिपूर्ण हो। आइए, हम सब मिलकर एकता, आपसी सद्भाव और नवचेतना की भावना के साथ इस पावन पर्व का उत्सव मनाएँ। यह त्यौहार हम सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशियों के विविध रंग भर दे। अपने संदेश में उन्होंने सभी को रंगों और उमंग से भरी होली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए आनंद और प्रेम के रंग पूरे वर्ष सबके जीवन में बने रहने की कामना की हैं।

मायाबंदर के डॉ. आर.पी. अस्पताल में लगातार आपातकालीन शल्य क्रियाएं सफलतापूर्वक संपन्न

मायाबंदर, 3 मार्च

डॉ. आर.पी. अस्पताल, मायाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान की ऑपरेशन थियेटर (ओटी) टीम ने कल गंभीर मातृत्व मामलों में त्वरित प्रतिक्रिया एवं समर्पित टीमवर्क का परिचय देते हुए लगातार आपातकालीन शल्य क्रियाएं संपन्न कीं। पहला मामला डिगलीपुर से संदर्भित 39 सप्ताह की गर्भवती महिला का था, जिसे ओलिगोहाइड्रामनियोस (एम्नियोटिक द्रव की कमी) का निदान किया गया था। आपातकालीन लोअर सेगमेंट सिज़ेरियन सेक्शन (एलएससीएस) के माध्यम से शल्य क्रिया की गई, जिससे शिशु का सुरक्षित जन्म सुनिश्चित हुआ तथा माता की स्थिति स्थिर की गई। दूसरा मामला एक प्रथमगर्भा महिला का था, जिसमें पीपीआरओएम (समयपूर्व झिल्लियों का फटना) के साथ फुटलिंग ब्रीच प्रस्तुति और सेप्सिस की जटिलता थी। गंभीर स्थिति को देखते हुए टीम ने तत्काल आपातकालीन शल्य प्रबंधन किया, जिससे माता एवं शिशु में संभावित जटिलताओं को रोका जा सका। तीसरा मामला रंगत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से संदर्भित 7 सप्ताह की एक्टोपिक गर्भावस्था का था। मरीज़ की स्थिति अत्यंत गंभीर थी और उसके जीवन की रक्षा हेतु तत्काल लैप्रोटॉमी की गई। ओटी टीम का नेतृत्व स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मीनाक्षी सी.के. तथा एनेस्थेटिस्ट डॉ. होसन्ना शेरोन ने किया। तीनों उच्च जोखिम वाले मामलों का बिना किसी व्यवधान के सफलतापूर्वक संचालन किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अस्पताल प्रशासन ने उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने हेतु चिकित्सा एवं सहयोगी स्टाफ के समर्पण और समन्वित प्रयासों की सराहना की।

मासिक हार्बर सेक्टर पास हेतु 24X7 ऑनलाइन बुकिंग सुविधा प्रारंभ

श्री विजय पुरम, 3 मार्च

जनसुविधा में वृद्धि एवं नागरिक–केंद्रित सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जहाज़रानी सेवा निदेशालय ने मासिक हार्बर सेक्टर पास की बुकिंग हेतु 24X7 ऑनलाइन सुविधा प्रारंभ की है। यह पहल लंबे समय से चली आ रही जन मांग के अनुरूप तथा दैनिक यात्रियों को सुगम सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। यह कदम ई–गवर्नेंस की सरकारी परिकल्पना के अनुरूप है, जिसके तहत आवश्यक परिवहन सेवाएं नागरिकों को कभी भी और कहीं से भी उपलब्ध कराई जा सकें, बिना टिकट काउंटर पर जाने की आवश्यकता के। मासिक पास की ऑनलाइन बुकिंग सुविधा मौजूदा मैनुअल टिकट काउंटर के अतिरिक्त उपलब्ध कराई गई है, जो पूर्ववत संचालित होते रहेंगे। यात्री अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन या काउंटर आधारित सेवा का विकल्प चुन सकते हैं। इस आवेदन प्रणाली का विकास श्री विजय पुरम स्थित सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम (सीआरआईएस) की टीम द्वारा किया गया है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार जहाज़रानी सेवा निदेशालय ने सुरक्षित, विश्वसनीय, सुलभ एवं जन–केंद्रित समुद्री परिवहन सेवाएं प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। यह पहल विभाग के संचालन को आधुनिक बनाने तथा प्रौद्योगिकी आधारित समाधान अपनाकर कुशल एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।

'मिशन टू लाख पोल्ट्री' के अंतर्गत कार निकोबार में पक्षियों का सामूहिक वितरण

कार निकोबार, 3 मार्च

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग की महत्वाकांक्षी योजना "मिशन टू लाख पोल्ट्री" के अंतर्गत आज कार निकोबार के क्षेत्रीय कार्यालय में भव्य सामूहिक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम निकोबार समूह के दूरस्थ द्वीपों में बैकवर्ड पोल्ट्री पालन को सशक्त बनाने एवं जनजातीय परिवारों की आजीविका सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कार्यक्रम में किन्यूका ग्राम के प्रथम कप्तान श्री डेरिक ने मुख्य अतिथि के रूप में लाभार्थियों को चूजों का वितरण किया। इस अवसर पर 3 जनजातीय लाभार्थियों को 200 बटेर के चूजे, 5 जनजातीय लाभार्थियों को 100 निकोबारी एवं वनराजा नस्ल के चूजे तथा स्थानीय किसानों को 25 कुट्टनाड एवं विगोवा नस्ल के बत्तख के बच्चे वितरित किए गए।

इस वितरण का उद्देश्य जनजातीय परिवारों को पोल्ट्री पालन को आय एवं पोषण के सतत स्रोत के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के समापन पर अधिक से अधिक ग्रामीणों से इस मिशन से जुड़ने का आह्वान किया गया, ताकि क्षेत्र में सतत आजीविका के अवसरों का विस्तार एवं खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ किया जा सके। यह वितरण विभाग के उस लक्ष्य का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत द्वीपसमूह में 2 लाख से अधिक एक–दिवसीय चूजों एवं बत्तखों के बच्चों की आपूर्ति की जानी है। इस पहल का विशेष ध्यान जनजातीय एवं दूरस्थ समुदायों को वैज्ञानिक पोल्ट्री पालन के माध्यम से सशक्त बनाने पर है। इस योजना का उद्देश्य अंडे एवं मांस उत्पादन में वृद्धि के साथ–साथ स्वरोज़गार सृजन तथा जनजातीय परिवारों के पोषण स्तर में सुधार करना भी है।

प्राप्त विज्ञप्ति में पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने आश्वस्त किया है कि इस प्रकार के वितरण कार्यक्रमों का विस्तार जारी रहेगा तथा किसानों को निरंतर तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि "मिशन टू लाख" का लाभ अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के प्रत्येक कोने तक पहुंचे।

विश्व वन्यजीव दिवस पर चिड़ियाटापू जैविक उद्यान में चेतना कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 3 मार्च

विश्व वन्यजीव दिवस 2026 के अवसर पर दक्षिण अण्डमान के चिड़ियाटापू स्थित जैविक उद्यान द्वारा "औषधीय एवं सुगंधित पौधे: स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण" विषय पर जागरूकता एवं जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य औषधीय एवं सुगंधित पौधों के संरक्षण को बढ़ावा देना तथा सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर अजवाइन, हड़जोड़ एवं पाथरचट्टा जैसे औषधीय पौधों के पौधे निकटवर्ती दुकानों एवं डाइविंग केंद्रों को वितरित किए गए, ताकि उनके पारिस्थितिक, औषधीय एवं आर्थिक महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। प्रतिभागियों को पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल, जैव विविधता संरक्षण एवं सतत आजीविका में इन पौधों की भूमिका के बारे में अवगत कराया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का समापन औषधीय पौधों के संरक्षण एवं क्षेत्र में पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को अपनाने के सामूहिक आह्वान के साथ हुआ।

नमूनाघर में खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित

श्री विजय पुरम, 3 मार्च

दक्षिण अण्डमान के ग्राम पंचायत नमूनाघर के अंतर्गत पंचायत भवन, नमूनाघर में 'खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता (एफएनएचडब्ल्यू)' सामुदायिक कार्यक्रम हाल ही में आयोजित किया गया। इसका आयोजन ग्रामोदय ग्राम संगठन द्वारा, दीनदयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई–एनआरएलएम) के तहत सामुदायिक विकास खंड फरारगंज के समन्वय से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पोषण, निवारक स्वास्थ्य सेवाओं एवं चल रही सरकारी स्वास्थ्य पहलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इसमें विशेष रूप से एनीमिया जांच एवं जागरूकता, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण तथा दंत स्वास्थ्य शिविर पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार चिकित्सकीय दल में डॉ. शाहीना, डॉ. अलका एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी सुशीला शामिल थीं। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, एनीमिया पर परामर्श एवं दंत परीक्षण किए। समुदाय के सदस्यों को संतुलित आहार, स्वच्छता, मौखिक स्वास्थ्य देखभाल एवं निवारक स्वास्थ्य उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की सदस्याओं, ग्राम संगठन प्रतिनिधियों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी की। शिविर के माध्यम से स्वास्थ्य समस्याओं की प्रारंभिक पहचान तथा आवश्यकतानुसार संदर्भन सहायता प्रदान की गई। यह पहल

सामुदायिक विकास खंड, फरारगंज एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वित प्रयासों को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य ज़मीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना तथा एनीमिया एवं संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं का प्रभावी समाधान करना है।

अंतरराष्ट्रीय मास्टर अक्षत खम्पारिया द्वारा शतरंज सिमुल प्रदर्शन आज

श्री विजय पुरम, 3 मार्च

मध्य प्रदेश के प्रख्यात शतरंज प्रशिक्षक एवं अंतरराष्ट्रीय मास्टर अक्षत खम्पारिया वर्तमान में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के दौरे पर हैं। इस अवसर पर अण्डमान निकोबार शतरंज संघ (एएनसीए) द्वारा 4 मार्च को सायं 4 बजे से सायं 6 बजे तक मरीना पार्क मुख्य द्वार के समीप शतरंज सिमल्टेनियस प्रदर्शनी (सिमुल) का आयोजन किया जाएगा। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इच्छुक शतरंज खिलाड़ी जो इस सिमुल में भाग लेना चाहते हैं, वे शीघ्रातिशीघ्र एएनसीए के कार्यालय कार्यकारी से मोबाइल नंबर 9933217055 पर संपर्क कर अपना नाम पंजीकृत कराएं। प्रविष्टियां 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर स्वीकार की जाएंगी।

शाम की फेरी सेवा पुनः प्रारंभ

श्री विजय पुरम, 3 मार्च

जहाज़रानी सेवा निदेशालय ने आमजन को सूचित किया है कि शहीद द्वीप एवं स्वराज द्वीप के निवासियों की लगातार मांग के मद्देनज़र श्री विजय पुरम से संचालित होने वाली सायंकालीन फेरी सेवा को पुनः प्रारंभ किया जा रहा है। समुदाय की ओर से सुविधाजनक यात्रा विकल्प की निरंतर अपील को ध्यान में रखते हुए निदेशालय ने यात्रियों की सुविधा के लिए शाम की फेरी सेवा बहाल करने का निर्णय लिया है। निदेशालय द्वारा शहीद द्वीप एवं स्वराज द्वीप के लिए प्रत्यक्ष फेरी सेवाएं निम्नलिखित निर्धारित समय–सारणी के अनुसार संचालित की जाएंगी:

(समय–सारणी अनुसार)

1. श्री विजय पुरम–शहीद द्वीप–श्री विजय पुरम

दिवस	आगमन	बंदरगाह	प्रस्थान
दैनिक सेवा	–	श्री विजय पुरम	दोपहर 2.30 बजे
	शाम 4.15 बजे	शहीद द्वीप	शाम 4.30 बजे
	शाम 6.15 बजे	श्री विजय पुरम	–

2. श्री विजय पुरम–स्वराज द्वीप–श्री विजय पुरम

दिवस	आगमन	बंदरगाह	प्रस्थान
दैनिक सेवा	–	श्री विजय पुरम	शाम 5 बजे
	सुबह 7.15 बजे	स्वराज द्वीप	5.30 बजे, (अगले दिन)
	सुबह 6.40 बजे	शहीद द्वीप	शाम 6.45 बजे
	सुबह 8.45 बजे	श्री विजय पुरम	–

उपरोक्त सेवा 9 मार्च, 2026 से प्रभावी होगी। आगामी सप्ताह के लिए यात्री टिकटों का निर्गमन 6 मार्च से प्रारंभ किया जाएगा। प्राप्त विज्ञप्ति में यह भी सूचित किया गया है कि श्री विजय पुरम से शहीद द्वीप होते हुए स्वराज द्वीप के लिए दोपहर 2.30 बजे संचालित होने वाली वर्तमान सेवा को 9 मार्च से निरस्त कर दिया गया है। जहाज़रानी सेवा निदेशालय द्वीपसमूह के निवासियों के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय एवं यात्री–हितैषी समुद्री परिवहन सेवाएं प्रदान करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन
सचिवालय

श्री विजय पुरम, दिनांक फरवरी, 2026

आदेश

अण्डमान तथा निकोबार आबकारी नीति, 2013 में संशोधन/परिशोधन

धारा	वर्तमान नीति (बदला जाएगा)	संशोधित नीति (इस प्रकार पढ़ा जाएगा)
खंड 4.3 (ए) अन्य शर्तें:– फॉर्म 'सी' में लाइसेंस धारकः (5)	लाइसेंस के तहत दुकान सभी दिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 3 बजे से रात 8 बजे तक खुली रहेगी, जिसमें हफ्ते में एक दिन छुट्टी होगी। लाइसेंस देने वाली अथॉरिटी के हिसाब से समय में बदलाव किया जा सकता है।	लाइसेंसी दुकान को निम्नलिखित तिथियों तक खुला रखेगा:– 1) सुबह का सत्रः सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक 2) शाम का सत्रः शाम 3 बजे से रात 9 बजे तक
आदेश संख्या 4141, दिनांक 30 दिसंबर, 2016 देखें आबकारी नीति में संशोधन/परिशोधन। 4.3 (ए) अन्य शर्तें:– फॉर्म 'सी' में लाइसेंस धारकः अण्डमान तथा निकोबार आबकारी नीति, 2013 की धारा 7 (ए) से (ई)	फॉर्म "बी1", "बी2" और "बी3" में लाइसेंसधारी निम्नलिखित दिनों को मद्य निषेध दिवस के रूप में मनाएगा और दुकानों को व्यापार के लिए बंद रखेगा: 1. पोंगल 2. गणतंत्र दिवस 3. शहीद दिवस 4. होली 5. गुड फ्राइडे 6. स्वतंत्रता दिवस 7. गणेश चतुर्थी 8. गांधी जयंती 9. दशहरा–2 दिन 10. दिवाली 11. ईद–उल–फ़ित्र 12. ईद–उल–जुहा (बकरीद) 13. मिलाद –उन– नबी 14. गुरुनानक जयंती 15. क्रिसमस 16. कोई और दिन जिसे जनहित में सक्षम प्राधिकारी ड्राई डे घोषित करे। इससे लाइसेंसी को होने वाले किसी भी नुकसान की भरपाई नहीं की जाएगी और न ही सरकार कोई मुआवज़ा देने के लिए ज़िम्मेदार होगी।	फॉर्म "सी", "सी1", "बी1", "बी2" और "बी3" और "बी4" में लाइसेंसधारी निम्नलिखित दिनों को मद्य निषेध दिवस के रूप में मनाएगा और दुकानों को व्यापार के लिए बंद रखेगा: 1. गणतंत्र दिवस 2. स्वतंत्रता दिवस 3. गांधी जयंती 4. लोकसभा आम चुनाव, नगरपालिका बोर्ड चुनाव तथा पंचायत चुनाव, उप चुनावों में मतदान के दिन और उससे पहले के दो दिन और इन चुनावों की मतगणना के दिन। 5. कोई और दिन जिसे जनहित में सक्षम प्राधिकारी ड्राई डे घोषित करे। इससे लाइसेंसी को होने वाले किसी भी नुक़सान की भरपाई नहीं की जाएगी और न ही सरकार कोई मुआवज़ा देने के लिए ज़िम्मेदार होगी।

यह पॉलिसी फरवरी, 2026 की ––––– तारीख से तुरंत लागू होगी।

(हेमंत कुमार) आईएएस
आबकारी आयुक्त
अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन

'मिशन वात्सल्य' के अंतर्गत क्षमता निर्माण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

श्री विजय पुरम, 3 मार्च

समाज कल्याण निदेशालय के अधीन राज्य बाल संरक्षण सोसायटी द्वारा 'मिशन वात्सल्य' के अंतर्गत द्वीपों में बाल संरक्षण तंत्र को सुदृढ़ करने एवं संबंधित हितधारकों की क्षमता वृद्धि के उद्देश्य से क्षमता निर्माण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'मिशन वात्सल्य' भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों तथा विधि के साथ संघर्षरत बच्चों के लिए संस्थागत एवं गैर–संस्थागत सेवाओं तथा डिजिटल निगरानी प्रणाली को सुदृढ़ कर उनकी देखभाल, संरक्षण, विकास एवं पुनर्वास सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम में समाज कल्याण निदेशक श्री रविंदर कुमार ने प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रतिबद्धता, समन्वित कार्यप्रणाली और सटीक प्रतिवेदन पर बल दिया। मिशन वात्सल्य के नोडल अधिकारी ने समयबद्ध आंकड़ा प्रबंधन, उचित दस्तावेज़ीकरण एवं जवाबदेही के महत्व को रेखांकित किया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार योजना पर विषयगत सत्र पूर्व नोडल अधिकारी श्रीमती रीता देवी द्वारा प्रस्तुत किया गया। राज्य बाल संरक्षण सोसायटी के कार्यक्रम प्रबंधक ने अधीक्षक (जेएच प्रभारी) के साथ मिशन वात्सल्य पोर्टल पर तकनीकी सत्र संचालित किया। तीनों ज़िलों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की।

इग्नू में प्रवेश एवं पुनः पंजीकरण की तिथि बढ़ी

श्री विजय पुरम, 3 मार्च।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जनवरी, 2026 सत्र के लिए ओडीएल तथा ऑनलाइन माध्यम से संचालित सभी अधिसूचित कार्यक्रमों में नए प्रवेश की अंतिम तिथि 15 मार्च, 2026 तक बढ़ा दी है। यह विस्तार सेमेस्टर आधारित, मेरिट आधारित तथा प्रमाणपत्र कार्यक्रमों पर लागू नहीं होगा। इसके अतिरिक्त, इग्नू ने प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के स्नातक डिग्री कार्यक्रमों तथा प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए अगले वर्ष में पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि भी 200 रुपये विलंब शुल्क सहित 15 मार्च, 2026 तक बढ़ा दी है। सेमेस्टर आधारित कार्यक्रम इस विस्तार से बाहर रहेंगे। इग्नू में नया प्रवेश तथा पुनः पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन है। विद्यार्थी इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट **(www.ignou.ac.in)** पर 'स्टूडेंट सर्विस–एडमिशन सेक्शन' में जाकर नया प्रवेश एवं पुनः पंजीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर सकते हैं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यदि किसी अभ्यर्थी को ऑनलाइन प्रपत्र भरने में किसी प्रकार की कठिनाई होती है, तो वे इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, श्री विजय पुरम (एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स के सामने, वीआईपी रोड, जंगलीघाट डाकघर, श्री विजय पुरम) फोन 03192–242888 अथवा 03192–230111 ईमेल **rcportblair@ignou.ac.in** से संपर्क कर सकते हैं।

भुवनेश्वर में आयोजित इंडियास्किल्स क्षेत्रीय ––––––––––––––पृष्ठ 1 का शेष

विस्तृत पदक विजेता सूची–इंडियास्किल्स क्षेत्रीय (पूर्व) 2025–26

क्रमांक	कौशल (स्किल)	प्रतियोगी का नाम	पदक
1	बढ़ईगिरी	अमिताव मिस्त्री	स्वर्ण
		शुभम परमाणिया	रजत
2.	फैशन प्रौद्योगिकी	शर्मिष्ठा रॉय	रजत
3.	कंक्रीट निर्माण कार्य	बी. देविंदर	स्वर्ण
		सलीम खान	स्वर्ण
4.	लैंडस्केप एवं बागवानी	स्नेहा मंडल	रजत
		रोहिनी लकड़ा	रजत
5.	प्लास्टरिंग एवं ड्राईवॉल सिस्टम	राज बिस्वास	स्वर्ण
		के. अब्दुल फतह	रजत
6.	कैबिनेट मेकिंग	रोहित कुजूर	उत्कृष्टता पदक (मेडलियन ऑफ एक्सीलेंस)
7.	विद्युत स्थापना	नितेश मिस्त्री	उत्कृष्टता पदक (मेडलियन ऑफ एक्सीलेंस)
8.	पाक कला	बिशाल बिस्वास	उत्कृष्टता पदक (मेडलियन ऑफ एक्सीलेंस)
9.	वेल्डिंग	दिवाकर कर्माकर	उत्कृष्टता पदक (मेडलियन ऑफ एक्सीलेंस)

स्वर्ण एवं रजत पदक विजेता अब मार्च, 2026 के अंत में आयोजित होने वाली आगामी इंडियास्किल्स राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का प्रतिनिधित्व करने की संभावना रखते हैं। उपर्युक्त उपलब्धियों के अतिरिक्त, टीम अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह को विज़ुअल मर्चेंडाइजिंग तथा इंटेलिजेंट सिक्योरिटी टेक्नोलॉजी कौशल में वॉकओवर प्राप्त हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप इन कौशलों के केंद्रशासित प्रदेश के प्रतिभागी सीधे राष्ट्रीय स्तर की उक्त प्रतियोगिता में भाग लेंगे। राष्ट्रीय स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को सितंबर, 2026 में चीन के शंघाई में आयोजित होने वाली वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने का गौरवशाली अवसर प्राप्त होगा। यह एक वैश्विक मंच है, जहाँ विश्वभर के उत्कृष्ट कौशलयुक्त युवा उत्कृष्टता के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं।

यह उल्लेखनीय उपलब्धि द्वीपसमूह के आकांक्षी युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक संदेश है। कौशल विकास एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण अब वैकल्पिक या द्वितीयक कॅरियर विकल्प नहीं रह गए हैं, बल्कि ये गतिशील, उद्योग–आधारित और वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त मार्ग हैं, जो रोज़गार, उद्यमिता और अंतरराष्ट्रीय अवसरों की दिशा में अग्रसर करते हैं। टीम अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की सफलता यह सिद्ध करती है कि संरचित प्रशिक्षण, संस्थागत सहयोग और समर्पित प्रयासों के बल पर द्वीपों के युवा देश और विश्व के श्रेष्ठ प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं। युवा विद्यार्थी, विद्यालय त्यागी एवं रोज़गार के इच्छुक अभ्यर्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), अप्रेंटिसशिप कार्यक्रमों तथा अन्य संगठित व्यावसायिक प्रशिक्षण योजनाओं में सक्रिय रूप से नामांकन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि वे उद्योगोन्मुख दक्षताओं का विकास कर सकें। प्रशासन तकनीकी शिक्षा एवं कार्यबल विकास के माध्यम से कौशल पारितंत्र को सुदृढ़ करने तथा सतत आजीविका के अवसर सृजित करने के प्रति प्रतिबद्ध है। इंडियास्किल्स क्षेत्रीय (पूर्व) 2025–26 में प्राप्त यह सफलता केवल पदकों की संख्या भर नहीं है, बल्कि एक कुशल, आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

शपथ पत्र

मैं, जी याहावी, पुत्री श्री एस गुरुसामी, निवासी राज पथ रोड, प्रेम नगर, जंगलीघाट, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह 744101, एतद्द्वारा सत्यनिष्ठापूर्वक प्रतिज्ञा और घोषणा करती हूँ :

1. कि मेरे जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम जी याहावी के स्थान पर संक्षिप्त रूप से याहावी दर्ज है, मेरे पिता का नाम एस गुरुसामी के स्थान पर संक्षिप्त रूप से गुरुसामी दर्ज है और मेरी माता का नाम भी जी वैधेकी के स्थान पर वैधकी दर्ज है, जैसा कि मेरे शैक्षणिक प्रमाण पत्रों, आधार कार्ड और मेरे पास उपलब्ध अन्य दस्तावेजों में दर्ज है।
2. कि याहावी और जी याहावी, गुरुसामी और एस गुरुसामी तथा वैधेकी और जी वैधेकी तीनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं और ये नाम मेरे, पिता और मेरी माता के हैं।
3. मैं शपथपूर्वक यह शपथ ले रही हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरा सही नाम जी याहावी, मेरे पिता का सही नाम एस गुरुसामी और मेरी माता का सही नाम जी वैधकी दर्ज हो।

मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार उपरोक्त कथन सत्य और सही है।

दिनांक : 24.02.2026 शपथकर्त्ता

शपथ पत्र

मैं, सोनिका लकरा, पिता का नाम 10535214पी रैंक एनके अगस्तस लकरा, आयु लगभग 25 वर्ष, निवासी बाराटांग ग्राम, रंगत तहसील, उत्तर एवं मध्य अण्डमान जिला, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह–744210, एतद्द्वारा सत्यनिष्ठापूर्वक शपथपूर्वक घोषणा करती हूँ :

1. मेरे पिता की सेवा पुस्तिका में मेरी जन्म तिथि गलती से 22/12/2001 दर्ज कर दी गई है, जबकि मेरे पास उपलब्ध जन्म प्रमाणपत्र और आधार कार्ड में मेरी सही जन्म तिथि 23/12/2000 दर्ज है।
2. मैं घोषणा करती हूँ कि मेरे पास उपलब्ध जन्म प्रमाणपत्र, शैक्षणिक प्रमाणपत्र और आधार कार्ड में मेरी सही जन्म तिथि 23.12.2000 दर्ज है। अतः मैं अपने पिता की सेवा पुस्तिका में अपनी जन्म तिथि को 23/12/2000 दर्ज करवाना चाहती हूँ।
3. मैं शपथपूर्वक शपथ लेती हूँ कि मेरे पिता की सेवा पुस्तिका और संबंधित अभिलेखों में मेरी सही जन्मइतिथि 23/12/2000 दर्ज हो।

उपरोक्त कथन मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है।

दिनांक : 26.02.2026 शपथकर्त्ता

शपथ पत्र

मैं, रजनी लकरा, पिता का नाम 10535214पी रैंक एनके अगस्तस लकरा, आयु लगभग 26 वर्ष, निवासी बाराटांग ग्राम, रंगत तहसील, उत्तर एवं मध्य अण्डमान जिला, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह–744210, एतद्द्वारा सत्यनिष्ठापूर्वक शपथपूर्वक घोषणा करती हूँ :

1. कि मेरे पिता की सेवा पुस्तिका में मेरा नाम गलती से रजनी लकरा के स्थान पर रजानी लकरा दर्ज किया गया है और मेरी जन्म तिथि भी गलती से 22/03/1999 के स्थान पर दर्ज की गई है, जबकि मेरी सही जन्म तिथि 22/04/1999 है, जो मेरे पास उपलब्ध जन्म प्रमाणत्र और आधार कार्ड में दर्ज है।
2. कि रजनी लकरा और रजनी लकरा दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं और ये नाम मेरे है।
3. मैं घोषणा करती हूँ कि मेरा सही नाम रजनी लकरा और सही जन्म तिथि 22/04/1999 है, जैसा कि मेरे जन्म प्रमाणपत्र, शैक्षणिक प्रमाणपत्र और आधार कार्ड में दर्ज है, जो मेरे पास उपलब्ध है। अतः मैं अपने पिता की सेवा पुस्तिका में अपना सही नाम रजनी लकरा और सही जन्म तिथि 22/04/1999 दर्ज करवाना चाहती हूँ।

मैं अपने पिता की सेवा पुस्तिका और संबंधित अभिलेखों में अपना सही नाम रजनी लकरा और सही जन्म तिथि 22/04/1999 दर्ज करवाने के लिए यह शपथपत्र दे रही हूँ।

उपरोक्त कथन मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है।

स्थान : श्री विजय पुरम

दिनांक : 26.02.2026 शपथकर्त्ता

शपथ पत्र

मैं, फिलिसिता एक्का, 1053214पी रैंक एनके अगस्तस लकरा की पत्नी, आयु लगभग 26 वर्ष, रंगत तहसील के बाराटांग गांव, उत्तर एवं मध्य अण्डमान जिला, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह–744210 की निवासी, एतद्द्वारा सत्यनिष्ठापूर्वक शपथपूर्वक घोषणा करती हूँ :

1. मेरे पति की सेवा पुस्तिका में मेरा नाम गलती से फिलिसिता एक्का के स्थान पर दर्ज किया गया है और मेरी जन्म तिथि भी गलती से 01/07/1975 के स्थान पर दर्ज की गई है, जबकि मेरी सही जन्म तिथि 04/01/1972 है जो मेरे पास उपलब्ध आधार कार्ड और पैन कार्ड में दर्ज है।
2. फिलिसिता एक्का और फिलिसिता एक्का दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं और ये नाम मेरे हैं।
3. मैं घोषणा करती हूँ कि मेरा सही नाम फिलिसिता एक्का और सही जन्म तिथि 04/01/1972 है जैसा कि मेरे पास उपलब्ध आधार कार्ड और पैन कार्ड में दर्ज है। अतः मैं अपने पति की सेवा पुस्तिका में अपना सही नाम फिलिसिता एक्का और सही जन्म तिथि 04/01/1972 दर्ज करवाना चाहती हूँ।
4. मैं अपने पति की सेवा पुस्तिका और संबंधित अभिलेखों में अपना सही नाम फिलिसिता एक्का और सही जन्म तिथि 04/01/1972 दर्ज करवाने के लिए यह शपथ पत्र दे रही हूँ।

उपरोक्त कथन मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है।

स्थान : श्री विजय पुरम

दिनांक : 26.02.2026 शपथकर्त्ता

शपथ पत्र

मैं, श्री विवेक कुमार मिश्रा, पुत्र श्री जगदीश प्रसाद मिश्र, निवासी जंगलीघाट कॉलोनी, लाइट हाउस कॉलोनी के निकट, दक्षिण अण्डमान, पिन–744103, विधिवत शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ :

1. कि मेरा सही नाम विवेक कुमार मिश्रा है।
2. कि मेरे स्कूल प्रमाणपत्र में मेरा नाम गलत रूप से विवेक कुमार मिश्र (Vivek Kumar Misra) अंकित है।
3. कि मेरे अन्य सभी आधिकारिक दस्तावेज, जैसे पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र (Voter ID) तथा आधार कार्ड में मेरा नाम सही रूप से विवेक कुमार मिश्रा (Vivek Kumar Mishra) अंकित है।
4. कि विवेक कुमार मिश्र और विवेक कुमार मिश्रा, दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मुझसे संबंधित हैं।
5. कि मैं यह शपथ पत्र अपने स्कूल अभिलेखों में नाम संशोधन (Vivek Kumar Misra से Vivek Kumar Mishra) कराने तथा अन्य सभी आधिकारिक प्रयोजनों हेतु प्रस्तुत कर रहा हूँ।

मैं यह घोषित करता हूँ कि उपर्युक्त कथन मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही है तथा इसमें कोई भी तथ्य छिपाया नहीं गया है।

स्थान : श्री विजय पुरम

दिनांक 02.03.2026 शपथकर्त्ता

AFFIDAVIT

I, FILICITA EKKA wife of 10535214P Rank NK AUGASTUS LAKRA presently residing at Prothrapur village, Sri Vijaya Puram, Pin-744105 aged about 26 years R/o Baratang village under Rangat Tehsil, North and Middle Andaman District, Andaman & Nicobar Islands-744210, do hereby solemnly affirm and declare as under :-

1. That in my husband's service book, my name has been inadvertently recorded as FILISITA EKKA instead of my correct name FILICITA EKKA and my date of birth has also been inadvertently recorded as 01.07.1975 instead of my correct date of birth 04.01.1972 as recorded in my Aadhaar Card & PAN Card available with me.
2. That both the names FILISITA EKKA and FILICITA EKKA belong to same identical person and it belongs to me.
3. That I declare that my correct name as FILICITA EKKA and my correct date of birth as 04.01.1972 as recorded in my Aadhaar Card and PAN Card available with me. Hence, I intend to record my correct name FILICITA EKKA and correct date of birth 04-01-1972 in my husband's service book.
4. That I am swearing this affidavit for recording my correct name as FILICITA EKKA and my correct date of birth as 04.01.1972 in my husband's service book and relevant records.

That the above statements are true and correct to the best of my knowledge and belief.

Place : Sri Vijaya Puram

Date: 26.02.2026 Deponent

हरा से पीला तक, अलग–अलग क्यों होता है 'ओशन कलर', वैज्ञानिकों की ये राय

नई दिल्ली, 03 मार्च। अक्सर यह देखा गया है कि समुद्र का जल केवल नीला या हरा ही नहीं, बल्कि कई बार पीला, लाल या अन्य रंगों में भी दिखाई देता है। महासागरों के रंग में यह भिन्नता सूर्य के प्रकाश और जल में मौजूद सूक्ष्म जीवों, वनस्पतियों, शैवाल (एल्गी), खनिज कणों और घुले हुए कार्बनिक पदार्थों की आपसी प्रतिक्रिया का परिणाम होती है। ये तत्व प्रकाश की विभिन्न तरंगदैर्ध्य (वेवलेंथ) को अलग–अलग प्रकार से अवशोषित और परावर्तित करते हैं, जिससे पानी का रंग परिवर्तित हो जाता है।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अनुसार, ओशन कलर' वास्तव में जल की सतह से परावर्तित होने वाली रोशनी का एक स्पेक्ट्रल कंपोजिशन है। शुद्ध जल प्रकाश को अधिक अवशोषित करता है, जिससे वह नीला दिखाई देता है। इसके विपरीत, जिन क्षेत्रों में फाइटोप्लांकटन (सूक्ष्म समुद्री पौधे और शैवाल) की अधिकता होती है, वहां क्लोरोफिल की उपस्थिति के कारण जल हरा नजर आता है। अधिक जैविक सक्रियता वाले उत्पादक क्षेत्र अक्सर हरे दिखाई

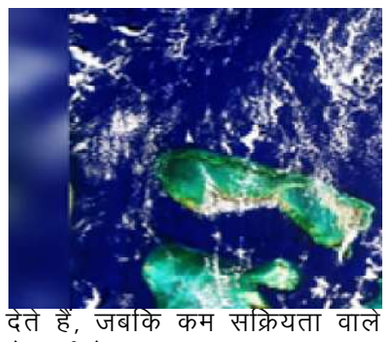

देते हैं, जबकि कम सक्रियता वाले क्षेत्र नीले। समुद्र का यह बदलता रंग समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य, फाइटोप्लांकटन की सघनता और जैविक गतिविधियों के महत्वपूर्ण संकेत देता है।

वैज्ञानिक इन रंगों का अध्ययन करके समुद्रों, झीलों और तटीय इलाकों में क्या हो रहा है, यह समझते हैं। इससे हानिकारक एल्गल ब्लूम का पता लगाना, मॉनिटरिंग और भविष्यवाणी करना आसान हो जाता है। एल्गल जहरीले एल्गी के तेज बढ़ने से होते हैं, जो मछलियों, समुद्री जीवों और इंसानी स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं।

वहीं, ओशन कलर डेटा से पानी की क्वालिटी चेक होती है, मछली पालन, मछुआरों और तटीय लोगों को फायदा मिलता है। यह समुद्री संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझने में भी मदद करता है। अमेरिकन नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन ओशन कलर प्रोडक्ट्स का पूरा सेट उपलब्ध कराता है, जो नोआ के साथ ही नासा और अंतरराष्ट्रीय सैटेलाइट्स से डेटा इकट्ठा करके बनाए जाते हैं। इनका इस्तेमाल पानी की गुणवत्ता जांचने और पब्लिक हेल्थ की सुरक्षा के लिए मॉनिटरिंग में होता है।

8 फरवरी 2024 को नासा ने प्लैंकटन एरोसोल क्लाउड ओशन इकोसिस्टम मिशन लॉन्च किया था। यह मिशन समुद्र और जलवायु को बेहतर समझने का नया संसाधन है। यह फाइटोप्लांकटन की डिस्ट्रीब्यूशन मापता है, जो पानी के फूड वेब को बनाए रखते हैं। साथ ही बादलों, एरोसोल और वायुमंडल–समुद्र का गहराई से अध्ययन करता है। इसके ओशन कलर इंस्ट्रूमेंट बारीक वेवलेंथ पर रोशनी मापता है। इससे अलग–अलग ग्रुप्स की पहचान आसान होती है। मिशन पहले ही इमेज और डेटा शेयर कर चुका है, जो ओशन हेल्थ, एयर क्वालिटी और क्लाइमेट चेंज के प्रभाव को बताते हैं। यह डेटा पब्लिक के लिए फ्री उपलब्ध है।

विदेश मंत्रालय ने खाड़ी संघर्ष पर जताई चिंता, भारतीयों की सुरक्षा को बताया सर्वोच्च प्राथमिकता

नई दिल्ली, 03 मार्च। भारत ने खाड़ी क्षेत्र में शुरू हुए संघर्ष पर गहरी चिंता जताते हुए एक बार फिर सभी पक्षों से संयम, संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने 28 फरवरी 2026 को ईरान और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष की शुरुआत पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की थी। उस समय भी भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने, स्थिति को और न बिगाड़ने तथा नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया था। दुर्भाग्यवश, पवित्र रमजान के महीने में क्षेत्र की स्थिति लगातार और गंभीर रूप से बिगड़ती गई है।

हाल के दिनों में हमने न केवल संघर्ष की तीव्रता में वृद्धि देखी है, बल्कि इसका अन्य देशों तक फैलाव भी देखा है। विनाश और जनहानि बढ़ती जा रही है, जबकि सामान्य जीवन और आर्थिक गतिविधियां ठप हो रही हैं। इस क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता में महत्वपूर्ण हित रखने वाले एक पड़ोसी देश के रूप में ये घटनाक्रम हमारे लिए गहरी चिंता का विषय हैं।

खाड़ी क्षेत्र में लगभग एक करोड़ भारतीय नागरिक रहते और कार्य करते हैं। उनकी सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले किसी भी घटनाक्रम से हम उदासीन नहीं रह सकते। हमारे व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति शृंखलाएं भी इसी क्षेत्र से होकर गुजरती हैं। किसी भी बड़े व्यवधान के भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। एक ऐसे देश के रूप में जिसके नागरिक वैश्विक कार्यबल में प्रमुख भूमिका निभाते हैं, भारत वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों का दृढ़ता से विरोध करता है। पिछले कुछ दिनों में ऐसे हमलों के परिणामस्वरूप कुछ भारतीय नागरिकों की मृत्यु हुई है या वे लापता हैं।

इस पृष्ठभूमि में भारत संवाद और कूटनीति की अपनी अपील को दृढ़ता से दोहराता है। हम स्पष्ट रूप से संघर्ष के शीघ्र अंत के पक्ष में अपनी आवाज उठाते हैं। पहले ही अनेक निर्दोष जानें जा चुकी हैं, जिसके लिए हम गहरा शोक व्यक्त करते हैं। प्रभावित देशों में भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास भारतीय नागरिकों और सामुदायिक संगठनों के साथ लगातार संपर्क में हैं तथा समय–समय पर आवश्यक परामर्श जारी कर रहे हैं। उन्होंने संघर्ष के कारण फंसे लोगों को हरसंभव सहायता भी प्रदान की है। दूतावास और वाणिज्य दूतावास इस संघर्ष से जुड़े विभिन्न वाणिज्यिक एवं दूतावासी मामलों के समाधान में सक्रिय रहेंगे।

हम इस क्षेत्र की सरकारों तथा अन्य प्रमुख साझेदारों के साथ भी संपर्क में हैं। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने अपने समकक्षों के साथ चर्चा की है। सरकार विकसित होती स्थिति पर निकटता से नजर बनाए रखेगी और राष्ट्रीय हित में आवश्यक निर्णय लेती रहेगी।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने देशभर के 1 लाख 3 हजार से अधिक स्कूलों में यह प्रक्रिया पूरी की

नई दिल्ली, 03 मार्च। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण–यूआईडीएआई ने देशभर के 1 लाख 3 हजार से अधिक स्कूलों में यह प्रक्रिया पूरी कर ली है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया कि इस अभियान से लगभग 12 लाख स्कूली छात्रों को अपने स्कूल परिसर में ही आसानी से आधार कार्ड में अनिवार्य बायोमेट्रिक सत्यापन –एमबीयू पूरा करने में मदद मिली है। मंत्रालय ने बताया कि इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए चार हजार मशीनें उपयोग में हैं और यूआईडीएआई इस संख्या को और बढ़ाने की प्रक्रिया में है ताकि इस कार्य की गति को और तेज किया जा सके।

यूआईडीएआई ने पिछले वर्ष सितंबर में स्कूली बच्चों के लिए मिशन मोड एमबीयू अभियान शुरू किया था। बच्चों के आधार कार्ड में बायोमेट्रिक सत्यापन अपडेट रखने से उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं और छात्रवृत्तियों के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए प्रमाणीकरण में सहायता मिलती है। इससे उन्हें नीट, जेईई, सीयूईटी और अन्य जैसी प्रतियोगी और विश्वविद्यालय परीक्षाओं के पंजीकरण प्रक्रिया में भी मदद मिलती है।

विश्व वन्यजीव दिवसः दुनिया भर में 50,000 जंगली प्रजातियां अरबों लोगों की जरूरतें पूरी करती हैं

नई दिल्ली, 03 मार्च। संयुक्त राष्ट्र विश्व वन्यजीव दिवस हर साल तीन मार्च को जंगली जानवरों और वनस्पतियों का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। यह दिन वन्यजीवों की अनोखी भूमिकाओं और योगदान को पहचानने का भी दिन है। वन्यजीव स्वच्छ हवा, भोजन और स्वस्थ वातावरण प्रदान करके प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। यह दिन लोगों को संरक्षण प्रयासों का समर्थन करने, टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने और प्रकृति के साथ शांतिपूर्वक तरीके से साथ जीने के लिए प्रोत्साहित करता है।

विश्व वन्यजीव दिवस की स्थापना संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2013 में की गई थी, जब थाईलैंड ने वन्यजीव संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक दिन समर्पित करने का प्रस्ताव रखा था। 20 दिसंबर, 2013 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आधिकारिक तौर पर तीन मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के रूप में घोषित किया, जिसका पहला उत्सव 2014 में मनाया गया था।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, दस लाख से अधिक प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है, ऐसे में वन्यजीव संरक्षण के लिए निवेश करने की जरूरत पहले से कहीं अधिक है। यह तिथि इसलिए चुनी गई क्योंकि 1973 में, उसी दिन वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किए गए थे। सीआईटीईएस एक वैश्विक समझौता है जो यह सुनिश्चित करता है कि अंतर्राष्ट्रीय वन्यजीव व्यापार से जानवरों और पौधों की प्रजातियों के अस्तित्व को कोई खतरा न हो।

जंगली जानवर और वनस्पतियां, हाइलैंड स्टेप्स से लेकर कोरल रीफ तक, पृथ्वी पर जीवन के जटिल जाल के अभिन्न अंग हैं। वे पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखते हैं, प्राकृतिक प्रक्रियाओं को नियमित करते हैं और जैव विविधता का समर्थन करते हैं, लोगों की आजीविका को आधार प्रदान करने वाली आवश्यक सेवाएं प्रदान करते हैं और हमारे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने में योगदान देते हैं।

केवल वनों में 60,000 वृक्ष प्रजातियां, 80 प्रतिशत उभयचर प्रजातियां और 75 प्रतिशत पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं, जबकि 1.6 अरब से अधिक लोगों को भोजन, दवा और आय के रूप में प्राकृतिक पूंजी प्रदान की जाती है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, दस लाख से अधिक प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है, ऐसे में वन्यजीव संरक्षण के लिए निवेश करने की जरूरत पहले से कहीं अधिक है।

दुनिया भर में 50,000 जंगली प्रजातियां अरबों लोगों की जरूरतें पूरी करती हैं। दुनिया की आधी से ज्यादा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) प्रकृति पर निर्भर है, जिससे जैव विविधता का नुकसान वित्तीय स्थिरता के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। उदाहरण के लिए, कुछ देशों में मत्स्य पालन सकल घरेलू उत्पाद में 10 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है, फिर भी समुद्री मछली भंडार का एक तिहाई से अधिक हिस्सा अत्यधिक मात्रा में पकड़ा जाता है, जिसके कारण बेरोजगारी, अर्थव्यवस्था में व्यवधान तथा अवैध शिकार की प्रथाएं बढ़ रही हैं।

इतिहास के पन्नों में 04 मार्च : आईएनएस विक्रांत से बदली भारत की समुद्री ताकत

नई दिल्ली, 03 मार्च। 04 मार्च भारतीय नौसेना के इतिहास का गौरवपूर्ण दिन है। इसी दिन वर्ष 1961 में भारत को उसका पहला विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत सेवा में मिला। भारत ने इसे 1957 में ब्रिटेन की रॉयल नेवी से अधूरे निर्माण की स्थिति में खरीदा था। बाद में इसका निर्माण और आधुनिकीकरण पूरा कर इसे नौसेना में शामिल किया गया।

विक्रांत के शामिल होने से भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया, जिनके पास विमानवाहक पोत की क्षमता थी। इससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति मजबूत हुई और समुद्र में हवाई शक्ति के प्रदर्शन की क्षमता बढ़ी। 1971 के भारत–पाक युद्ध में विक्रांत ने निर्णायक भूमिका निभाई। इसके विमानों ने पूर्वी मोर्चे पर पाकिस्तानी ठिकानों और बंदरगाहों को निशाना बनाकर उनकी आपूर्ति व्यवस्था को बाधित किया। इस कार्रवाई से पाकिस्तान पर भारी दबाव बना और भारत को महत्वपूर्ण बढ़त मिली। आईएनएस विक्रांत ने भारतीय नौसेना को नई पहचान दी और देश की समुद्री सुरक्षा को सशक्त बनाने में ऐतिहासिक योगदान दिया।

महत्वपूर्ण घटनाक्रम– 1788 – कलकत्ता गजट का प्रकाशन शुरू। आज इसे गजट ऑफ गवर्नमेंट ऑफ वेस्ट बंगाल के नाम से जाना जाता है।

1858–ब्रिटिश अधिकारी जे पी वॉकर तकरीबन 200 कैदियों को लेकर कलकत्ता से अंडमान और निकोबार के लिए रवाना। इन लोगों में ज्यादातर 1857 के विद्रोह के आरोपी थे।

1879 – लड़कियों को उच्च शिक्षा देने के लिए कलकत्ता में बेथुन कॉलेज की स्थापना। यह ब्रिटेन से बाहर पहला महिला कॉलेज था।

1921 – असहयोग आंदोलन में इस दिन ननकाना के एक गुरुद्वारे, जहां पर शान्तिपूर्ण ढंग से सभा का संचालन किया जा रहा था, पर सैनिकों के द्वारा गोली चलाने के कारण 70 लोगों की जानें गई।

1931 – ब्रिटिश वायसराय, गवरनोर–जनरल एडवर्ड फ्रेदेरिक्क लिन्द्ले वुड और मोहनदास करमचंद गांधी जी (महात्मा गांधी) में भेंट राजनीतिक कैदियों की रिहाई और नमक के सर्वजन उपयोग की छूट को लेकर मंत्रणा और इकरारनामे की घोषणा।

1933 – फ्रेंकलिन डी रूजवेल्ट ने अमेरिका के 32वें राष्ट्रपति के तौर पर पदभार संभाला।

1951 – नई दिल्ली में पहले एशियाई खेलों का आयोजन।

1961 – भारत के पहले विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत ने सेना के लिए अपनी सेवाएं देना शुरू किया।

1975 – मूक सिनेमा के बेहतरीन अभिनेता चार्ली चैपलिन को 85 वर्ष की आयु में नाइट की उपाधि प्रदान की गई।

1998 – भारत के प्रकाश शाह सं.रा. महासचिव द्वारा बगदाद में विशेष प्रतिनिधि नियुक्त।

2008 – संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने ईरान के ख़िलाफ़ नई पाबंदियां लागू की।

2009 – राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने नवीन चावला के मुख्यचुनाव आयुक्त पद पर नियुक्ति को मंजूरी दी।

2009 – राजस्थान के पोखरन से ब्रह्मोस मिसाइल के नये संस्करण का परीक्षण किया गया।

इंडिगो जेद्दा से भारत के लिए 10 विशेष राहत उड़ानें करेगा संचालित

नई दिल्ली, 03 मार्च। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा है कि फंसे हुए यात्रियों की वापसी के लिए इंडिगो एयरलाइन ने आज जेद्दा से भारत के लिए 10 विशेष राहत उड़ानें संचालित करने की योजना बनाई है। ये उड़ानें आवश्यक स्वीकृतियों और मौजूदा हवाई क्षेत्र की स्थितियों के अधीन संचालित की जाएंगी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इंडिगो यात्रियों की सुविधा के लिए जेद्दा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के साथ समन्वय कर रही है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने इस संबंध में नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा और सभी वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में एक उच्च स्तरीय बैठक की समीक्षा भी की। मंत्रालय ने कहा कि वह पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में बदलती हवाई क्षेत्र की स्थिति और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ने वाले प्रभाव की लगातार निगरानी कर रहा है। मंत्रालय ने आगे कहा कि एयरलाइंस सुरक्षित और सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए विदेशी विमानन प्राधिकरणों और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के साथ मिलकर काम कर रही हैं।

ईरान संकट के बीच भारत के पास कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार

नई दिल्ली, 03 मार्च।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी के मामले में भारत फिलहाल काफी हद तक सुरक्षित स्थिति में है। देश के पास लगभग 25 दिनों का कच्चे तेल का भंडार और 25 दिनों के पेट्रोलियम उत्पादों का स्टॉक मौजूद है। इसमें वह मात्रा भी शामिल है जो जहाजों के जरिए भारत के बंदरगाहों की ओर आ रही है।

भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें से लगभग 50 प्रतिशत आपूर्ति मध्य–पूर्वी देशों से होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) के जरिए होती है। ईरान युद्ध के बाद इस मार्ग से तेल प्रवाह प्रभावित हुआ है।

हालांकि, भारत ने अपने तेल आयात के स्रोतों में विविधता लाई है। अफ्रीका, रूस और अमेरिका से आयात बढ़ाया गया है और रणनीतिक भंडार बनाकर आपूर्ति को सुरक्षित किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि देश की तेल विपणन कंपनियों (इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड) के पास कई हफ्तों का स्टॉक है और उन्हें अलग–अलग मार्गों से लगातार आपूर्ति मिल रही है।

इसके अलावा, सरकार ने तेल विपणन कंपनियों को पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं ताकि बफर स्टॉक और मजबूत हो सके। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने खाड़ी देशों के बाहर से भी बड़े पैमाने पर तेल आयात शुरू किया है, जिससे अब काफी मात्रा में आपूर्ति होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर नहीं आती।

भारत के पास पुडुर में 2.25 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) की भंडारण क्षमता है। विशाखापट्टनम में 1.33 एमएमटी और मैंगलुरु में 1.5 एमएमटी कच्चे तेल को स्टोर करने की क्षमता है। इसके अलावा समुद्री तट पर चांदीखोल में एक और रणनीतिक भंडार सुविधा बनाई जा रही है। आपात स्थिति में देश इन रणनीतिक तेल भंडारों का उपयोग कर सकता है। वैश्विक कीमतों में तेज उछाल आने पर भी इन भंडारों से तेल निकालकर राष्ट्रीय तेल कंपनियों को राहत दी जा सकती है।

छह एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर और नौसेना के लिए जमीन से हवा में वर्टिकल लॉन्च श्टिल मिसाइलें खरीदने के लिए हुआ करार

नई दिल्ली, 03 मार्च।

ईरान पर अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले के बीच भारत ने अपनी हवाई क्षमता बढ़ाने का ऐलान किया है। सरकार ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए छह एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर और नौसेना के लिए जमीन से हवा में वर्टिकल लॉन्च श्टिल मिसाइलें खरीदने के लिए कुल 5,083 करोड़ रुपये के करार किए। इस खरीद का मकसद अलग–अलग तरह के हवाई खतरों के खिलाफ अग्रिम युद्धपोतों की वायु रक्षा क्षमता को काफी बढ़ाना है।

भारतीय तटरक्षक बल के लिए समुद्री क्षमता वाले छह एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर मार्क–2 (एएलएच) और नौसेना के लिए जमीन से हवा में मार करने वाली वर्टिकल लॉन्च श्टिल मिसाइलें खरीदी जानी हैं। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को दोनों हथियारों की खरीद के लिए कुल 5,083 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट साइन किए। यह दोनों करार रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में साउथ ब्लॉक में किए गए। एएलएच मार्क–2 के साथ परिचालन भूमिका उपकरण, एक इंजीनियरिंग सहायता पैकेज और प्रदर्शन आधारित रसद समर्थन का 2,901 करोड़ रुपये का करार हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ किया गया है।

एचएएल के अनुसार इन ट्विन–इंजन हेलीकॉप्टर में अभी चल रहे एयरबोर्न प्लेटफॉर्म से बेहतर लेटेस्ट फीचर्स हैं और ये किनारे पर मौजूद एयरफील्ड के साथ–साथ समुद्र में जहाजों से भी कई तरह के समुद्री सुरक्षा मिशन करने में सक्षम हैं। इनके आईसीजी में शामिल होने से आर्टिफिशियल आइलैंड, ऑफशोर इंस्टॉलेशन, मछुआरों और समुद्री पर्यावरण की जरूरतें पूरी करने की क्षमता बढ़ेगी। इस प्रोजेक्ट में 200 से ज्यादा लघु उद्योगों को फायदा होगा और इससे लगभग 65 लाख मानव श्रम दिवस सृजित होने की उम्मीद है।

रक्षा मंत्रालय ने नौसेना के लिए जमीन से हवा में मार करने वाली वर्टिकल लॉन्च श्टिल मिसाइलों और उनसे जुड़े मिसाइल होल्डिंग फ्रेम की खरीद के लिए 2,182 करोड़ रुपये का करार रूसी फर्म रोसोबोरोन एक्सपोर्ट के साथ किया है। यह सिस्टम नौसेना के प्लेटफॉर्म पर एयर डिफेंस ढांचे को और मजबूत करेगा, जिससे रैपिड–रिएक्शन, हर मौसम में लड़ने की क्षमता और मुश्किल समुद्री माहौल में बेहतर क्षमता मिलेगी। यह समझौता भारत और रूस के बीच लंबे समय से चली आ रही और समय की कसौटी पर खरी उतरी रक्षा साझेदारी को दिखाता है, जो आपसी भरोसे और सामरिक तालमेल पर आधारित है।

वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय महिला टीम का एक और बड़ा कारनामा, इस नामचीन अवॉर्ड के लिए पहली बार हुई नॉमिनेट

नई दिल्ली, 03 मार्च।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए साल 2025 काफी यादगार रहा था। पिछले साल भारतीय महिला टीम हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में पहली बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। उस वर्ल्ड कप को जीतने के बाद अब भारतीय महिला टीम ने एक और कारनामा किया है। वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीतने के लिए टीम इंडिया को लॉरेस की साल की बेस्ट टीम के अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है। लॉरेस स्पोर्ट ने 3 मार्च को इसकी पुष्टि की। भारतीय टीम इस अवॉर्ड जीतने के लिए नामित होने वाली पहली महिला क्रिकेट टीम है। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में जीत के दौरान सबसे बड़ा रन चेज का रिकॉर्ड अपने नाम किया था।

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम, यूरोपीय राइडर कप टीम, फ्रांस की फुटबॉल लीग की टीम पेरिस सेंट जर्मेन और मैकलारेन फॉर्मूला वन टीम जैसी बड़ी टीमों के साथ नामित किया गया है। अब देखना ये होगा कि उनकी टीम इस अवॉर्ड को अपने नाम कर पाती है या नहीं। लॉरेस स्पोर्ट ने प्रेस रिलीज में कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रिकेट वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास के सबसे बड़े लक्ष्य (339) को हासिल किया। इसके बाद टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला खिताब जीता और इस पुरस्कार के लिए नामित होने वाली पहली महिला क्रिकेट टीम है।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने इस खास मौके पर कहा कि भारतीय महिला टीम की जीत देश के क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र में एक अहम पल था। सैकिया ने कहा वर्ल्ड कप 2025 की जीत ना केवल टीम के लिए बल्कि हमारे देश के पूरे क्रिकेट पारिस्थतिकी तंत्र के लिए एक अहम पल था। उन्होंने कहा कि यह लॉरेस नामांकन उनकी कामयाबी के वैश्विक असर को दिखाता है। टीम ने युवा लड़कियों की एक नई पीढ़ी को क्रिकेट अपनाने के लिए प्रेरित किया है और हम उन नींव और सहयोग प्रणाली को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो आने वाले वर्षों तक इस कामयाबी को बनाए रखेंगे।

BCCI अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने महिला टीम के लिए नॉमिनेट होने के बाद कहा कि यह नामांकन महिला टीम की कड़ी मेहनत को दिखाता है। मन्हास ने कहा वैश्विक खेल की कुछ सबसे मशहूर टीमों के साथ पहचान मिलना उनकी कड़ी मेहनत और भारत में महिला क्रिकेट के बढ़ते कद को दिखाता है। इसके साथ ही टीम पुरुष लॉरेस वर्ग के लिए नामित हुए भारतीय खिलाड़ियों के खास समूह में शामिल हो गई है जिसमें विनेश फोगाट (2019), नीरज चोपड़ा (2022), और ऋषभ पंत (2025) शामिल हैं।

दुबई में भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी, नागरिकों को गैर–जरूरी यात्रा न करने की दी सलाह

नई दिल्ली, 03 मार्च।

दुबई में भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। भारतीय दूतावास ने वहां रहने वाले भारतीय लोगों को गैर जरूरी यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। दुबई में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "अभी के इलाके के हालात को देखते हुए संयुक्त अरब अमीरात में सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे गैर–जरूरी यात्रा से बचें। पूरा ध्यान रखें, सतर्क रहें और यूएई अधिकारियों और एम्बेसी द्वारा जारी किए जाने वाले सुरक्षा गाइडलाइंस और एडवाइजरी का पालन करें।"

"अबू धाबी में भारतीय एम्बेसी और दुबई में कॉन्सुलेट जनरल नॉर्मल तरीके से काम कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर अपडेट जारी करेंगे। किसी भी इमरजेंसी सवाल के लिए, यूएई में भारतीय नागरिक टोल फ्री नंबर: 800–46342 और व्हाट्सएप +971543090571 पर संपर्क कर सकते हैं।" रियाद में अमेरिकी दूतावास पर दो ईरानी ड्रोन हमलों के बाद आग लग गई और सामान का नुकसान हुआ। अमेरिकी दूतावास ने इसके बाद एडवाइजरी जारी की। हमले के बाद अमेरिकी दूतावास ने एक्स के जरिए रियाद, जेद्दा और धाहरान के लिए शेल्टर–इन–प्लेस एडवाइजरी जारी की। इसने इस क्षेत्र में सैन्य ठिकानों की गैर–जरूरी यात्रा पर रोक लगाने की भी घोषणा की और सऊदी अरब में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों से तुरंत पनाह लेने की अपील की।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 250 स्थानों पर होगी एएसएमआईटीए एथलेटिक्स लीग

नई दिल्ली, 03 मार्च।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर महिलाओं को खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से देशभर में एक अनूठी एथलेटिक्स लीग का आयोजन किया जाएगा। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की एचिविंग स्पोर्ट्स माइलस्टोन बॉय इंस्पायरिंग वूमन थ्रो एक्शन (एएसएमआईटीए) योजना के तहत 250 स्थानों पर एक साथ प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि देशभर की युवा महिलाओं को एक मंच पर जोड़ने का इससे बेहतर अवसर नहीं हो सकता। एएसएमआईटीए प्लेटफॉर्म पहले ही देश के कोने–कोने में लोकप्रिय हो रहा है। उन्होंने कहा कि एएसएमआईटीए खेलो इंडिया के जेंडर–न्यूट्रल मिशन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य लीग और प्रतियोगिताओं के माध्यम से महिलाओं में खेलों को बढ़ावा देना है।

उन्होंने बताया कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) विभिन्न राष्ट्रीय खेल महासंघों को सहयोग प्रदान कर देशभर में महिला लीग आयोजित कराता है। वर्ष 2021 में शुरू हुई इस पहल का लक्ष्य महिलाओं की खेलों में भागीदारी बढ़ाने के साथ–साथ नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करना भी है। खेल राज्य मंत्री ने कहा कि अब तक एएसएमआईटीए के तहत 34 खेल विधाओं में 2600 से अधिक लीग का आयोजन 550 से अधिक जिलों और 700 शहरों में किया जा चुका है। इस कार्यक्रम की पहुंच अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम जैसे पूर्वोत्तर राज्यों के दूरदराज क्षेत्रों तक रही है। यहां तक कि पूर्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं। अब तक 3 लाख से अधिक महिलाएं इसमें भाग ले चुकी हैं।

क्यों मनाया जाता है राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस, जानिए इतिहास और इस साल की थीम

नई दिल्ली, 03 मार्च।

हर साल 4 मार्च के दिन राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया जाता है. इस दिन को मनाने का मकसद देश की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है और साथ ही कार्यस्थल, उद्योगों और समाज के अलग–अलग क्षेत्रों में सुरक्षा को बढ़ावा देना भी है. इस दिन को मनाने की शुरुआत राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के द्वारा की गई थी. इस दिन लोगों को सुरक्षा के नियमों से अवगत कराने की कोशिश की जाती है जिससे वे ना सिर्फ अपनी बल्कि अपने आस–पास के लोगों की सुरक्षा के प्रति भी सजग रहें. सुरक्षा के अलग–अलग पहलुओं में औद्योगिक सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और घरेलू सुरक्षा शामिल है.

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की स्थापना 4 मार्च, 1966 में की गई थी. इसके बाद 4 मार्च के दिन साल 1972 में पहली बार राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया गया था. इस साल पूरे हते सुरक्षा दिवस मनाया गया था. इस दिन को राष्ट्र की सुरक्षा को बढ़ावा देने के साथ–साथ राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की सालगिरह के रूप में भी मनाया जाता है. राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद मानव स्वास्थ्य सुरक्षा, सड़क सुरक्षा और पर्यावरण सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने का काम करता है.

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2026 की थीम (Engage, Educate-Empower People to Enhance Safety) है। यह थीम सुरक्षा को नियमों और प्रणालियों से आगे बढ़ाकर सक्रिय भागीदारी, सतत सुरक्षा प्रशिक्षण और नेतृत्व की जिम्मेदारी पर बल देती है।

अपनी निजी और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए कुछ छोटी–बड़ी बातों का ध्यान रखा जा सकता है. सड़क सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्कूटर या बाइक चलाते समय हेलमेट लगाना ना भूलें.

उपकरणों के साथ काम करने वाले सेफ्टी ग्लव्स जरूर पहनें और अगर प्रदूषण की चपेट में आने का खतरा है तो मास्क पहनने की आदत डालें.

यातायात के नियमों का पालन करें. सीटबेल्ट सही तरह से पहनें और वाहन चलाते समय फोन पर बात करने से परहेज करें. घर के उपकरणों की जांच करते रहें. सिलेंडर सही तरह से लगाना सीखें और कभी गैस लीक होती दिखे तो तुरंत मदद लें.

साइबर सेक्योरिटी को बनाए रखना भी बेहद जरूरी है. साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने फोन या लैपटॉप पर स्ट्रोंग पासवर्ड लगाएं, एंटीवायरस डलवाएं और अपनी निजी जानकारी किसी से साझा ना करें.

आपदा प्रबंधन के बारे में सीखें और बच्चों को भी इसकी पूरी जानकारी दें.

घर में हैं छोटे बच्चे और बुजुर्ग? तो केमिकल्स नहीं, इन 4 सुरक्षित तरीकों से मनाएं रंगों का त्योहार

नई दिल्ली, 03 मार्च।

फरवरी की खत्म होने के साथ ही लोग बेसब्री से होली का इंतजार करने लगते हैं। यह हिंदू धर्म के लोकप्रिय और प्रमुख त्योहारों में से एक है, जिसे देश–विदेश में धूमधाम से मनाया जाता है। रंगों और खुशियों का यह त्योहार हर किसी के लिए एक जैसा नहीं होता।

खासकर अगर आपके घर में बच्चे और बुजुर्ग हैं, तो आपको इस त्योहार को सेलिब्रेट करते समय कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। आज का हमारा यह आर्टिकल उन्हीं लोगों के लिए हैं, जो बार अपनी होली बच्चे और बुजुर्ग के साथ मनाने वाले हैं। हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे तरीकों के बारे में, जिनकी मदद से आप सेफ होली सेलिब्रेशन कर सकते हैं।

केमिकल वाले रंग सभी के लिए हानिकारक होते हैं। खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह ज्यादा खतरनाक हो सकते हैं। रंगों के बारीक कण सांस से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकते हैं। ऐसे में केमिकल वाले खतरनाक रंगों की जगह आप फूलों की होली खेल सकते हैं। वृंदावन की यह पारंपरिक प्रथा बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी काफी सुरक्षित है।

अगर आप गालों पर रंग लगातर पारंपरिक तरीके से ही होली सेलिब्रेट करना चाहते हैं, तो घर पर ही खुद हर्बल कलर तैयार कर सकते हैं। आप इसके लिए बेसन और ऑर्गेनिक हल्दी पाउडर मिलाकर एक बेहतरीन पीला रंग बना सकते हैं, वहीं, चुकंदर का रस गुलाबी रंग के लिए इस्तेमाल की जा सकती हैं।

अगर आप सिर्फ प्रतीकात्मक और शांतिपूर्ण तरीके से होली मनाना चाहते हैं, तो इसके चंदन का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चे हों या बुगुर्ज आप उनके माथे पर चंदन का एक टीका लगा सकते हैं। यह नेचुरली ठंडक पहुंचाता है और यह पूरी तरह सुरक्षित है।

अगर आप होली पर कुछ अलग और नया ट्राई करना चाहते हैं, तो इस होली कुछ क्रिएटिव कर सकते हैं। आप घर में मौजूद सभी सदस्यों के साथ मिलकर हैंड पेंटिंग भी कर सकते हैं। यह तरीका काफी मजेदार और सेफ भी है। साथ ही आप इस पेंटिंग को हमेशा के लिए अपने पास संभालकर भी रख सकते हैं।

पानी से खेलने पर फर्श फिसलन भरे हो जाते हैं, जो बुजुर्गों और छोटे बच्चों के लिए गिरने का एक बड़ा खतरा है। इसलिए त्योहार के दौरान घर को पूरी तरह से सूखा रखें।

अचानक फेंके गए पानी के गुब्बारे बुजुर्गों को झटका दे सकते हैं और शिशुओं को चोट पहुंचा सकते हैं। ऐसे में आकस्मिक चोट से बचने के लिए पिचकारी और गुब्बारों को फैमिली गैदरिंग से दूर रखें।

तेज आवाज में गाना या म्यूजिक बजाने से शिशुओं को घबराहट हो सकती है और यह बुजुर्गों में सिरदर्द या बेचैनी का कारण बन सकते हैं। इसलिए कम आवाज से गाने बजाएं।

होली खेलने से पहले शिशु और बुजुर्गों की स्किन पर नारियल या बादाम के तेल की हल्की परत लगाएं। यह एक प्राकृतिक अवरोधक की तरह काम करता है और किसी भी सूखे रंग को त्वचा पर चिपकने से रोकता है।

ड्रैगन की पीठ जैसी छत और हड्डियों वाले खंभे, दुनिया की सबसे अनोखी इमारत है स्पेन का 'कासा बत्लो'

नई दिल्ली, 03 मार्च।

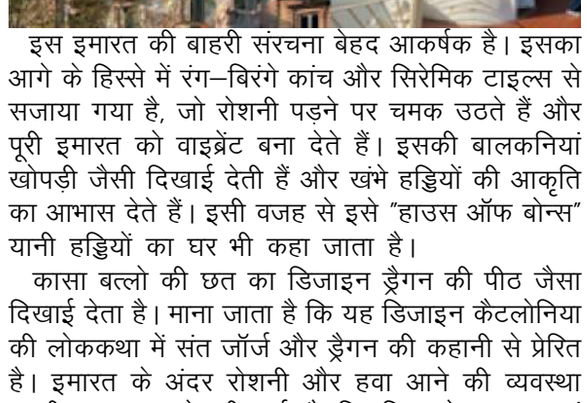

दुनिया में कई ऐतिहासिक इमारतें अपनी खास वास्तुकला के कारण मशहूर हैं, लेकिन स्पेन के बार्सिलोना शहर में स्थित कासा बत्लो अपनी अनोखी बनावट के कारण अलग पहचान रखती है। बार्सिलोना की मशहूर सड़क पैसेज डी ग्रसिया के बीचों–बीच बनी यह इमारत देखने में इतनी खास है कि इसके अंदर कदम रखते ही ऐसा महसूस होता है जैसे आप किसी गहरे समुद्र की दुनिया में पहुंच गए हों।

घुमावदार संरचनाएं, रंगीन कांच और समुद्री लहरों जैसी आ.तियां इसे एक अनोखा अंडरवॉटर अनुभव देती हैं, मानो आप बिना ऑक्सीजन टैंक के समुद्र की गहराई में उतर गए हों।

कासा बत्लो स्पेन के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले स्मारकों में से एक है। इसका मूल निर्माण साल 1877 में हुआ था और इसे बार्सिलोना के आर्किटेक्ट एमिलियो कोर्तेस ने डिजाइन किया था। उस समय यह एक साधारण, लेकिन भव्य हवेली के रूप में बनाई गई थी। बाद में वर्ष 1903 में उद्योगपति जोसेप बत्लो ने इसे खरीद लिया और इस इमारत को एक नया रूप देने का निर्णय लिया।

इसके बाद 1904 से 1906 के बीच प्रसिद्ध कैटलन वास्तुकार एंटोनी गौडी ने इसका पुनर्निर्माण किया। गौडी अपनी अनोखी वास्तुकला शैली के लिए जाने जाते थे, जिसमें सीधी रेखाओं की बजाय प्रा.तिक और घुमावदार आकृतियों का इस्तेमाल किया जाता था। उनकी इसी विशेष शैली ने कासा बत्लो को एक अनोखी पहचान दी। इस ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए वर्ष 2005 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया।

इस इमारत की बाहरी संरचना बेहद आकर्षक है। इसका आगे के हिस्से में रंग–बिरंगे कांच और सिरेमिक टाइल्स से सजाया गया है, जो रोशनी पड़ने पर चमक उठते हैं और पूरी इमारत को वाइब्रेंट बना देते हैं। इसकी बालकनियां खोपड़ी जैसी दिखाई देती हैं और खंभे हड्डियों की आकृति का आभास देते हैं। इसी वजह से इसे "हाउस ऑफ बोन्स" यानी हड्डियों का घर भी कहा जाता है।

कासा बत्लो की छत का डिजाइन ड्रैगन की पीठ जैसा दिखाई देता है। माना जाता है कि यह डिजाइन कैटलोनिया की लोककथा में संत जॉर्ज और ड्रैगन की कहानी से प्रेरित है। इमारत के अंदर रोशनी और हवा आने की व्यवस्था इतनी कुशलता से की गई है कि दिन के समय यहां आर्टिफिशियल लाइट की जरूरत बहुत कम पड़ती है।

यहां रोज हजारों पर्यटक इसे देखने आते हैं, जबकि हर साल दुनियाभर से 8 लाख से ज्यादा सैलानी इस अनोखी इमारत की खूबसूरती को देखने पहुंचते हैं। यही कारण है कि कासा बत्लो स्पेन के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में गिनी जाती है।